संस्कृति तथा समाजीकरण

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» संस्कृति: समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

प्रश्न 1 (आसान). समाजशास्त्रीय अर्थ में, क्या कला संस्कृति का एकमात्र हिस्सा है?
उत्तर – नहीं, समाजशास्त्रीय अर्थ में संस्कृति कला तक सीमित नहीं है, यह जीवन जीने का एक व्यापक तरीका है।

प्रश्न 2 (आसान). संस्कृति एक समूह को क्या प्रदान करती है?
उत्तर – संस्कृति एक समूह को पहचान (identity) प्रदान करती है।

प्रश्न 3 (मध्यम). आपके अनुसार, संस्कृति व्यक्ति के व्यवहार को कैसे दिशा देती है? एक उदाहरण दीजिए।
उत्तर – संस्कृति हमें सिखाती है कि समाज में कैसे व्यवहार करें। जैसे, मेहमान आने पर उन्हें कैसे सम्मान देना है या बड़ों से कैसे बात करनी है, यह सब हमारी संस्कृति बताती है।

प्रश्न 4 (कठिन). 'कल्चर' शब्द का रोज़मर्रा के इस्तेमाल और समाजशास्त्रीय अर्थ में क्या अंतर है? स्पष्ट करें।
उत्तर – रोज़मर्रा में 'कल्चर' का मतलब अक्सर कला, संगीत या परिष्कृत रुचियों से होता है। लेकिन समाजशास्त्र में, यह जीवन जीने का एक व्यापक तरीका है जिसमें ज्ञान, विश्वास, नैतिकता, कानून, प्रथाएं और अन्य आदतें शामिल हैं, जो एक समूह को पहचान देती हैं और व्यवहार को दिशा देती हैं।

» संस्कृति की परिवर्तनशीलता और गतिशीलता

प्रश्न 5 (आसान). क्या संस्कृति हमेशा एक जैसी रहती है?
उत्तर – नहीं, संस्कृति हमेशा बदलती रहती है।

प्रश्न 6 (आसान). संस्कृति की परिवर्तनशीलता का क्या मतलब है?
उत्तर – इसका मतलब है कि संस्कृति स्थिर नहीं है, वह लगातार बदलती और विकसित होती रहती है।

प्रश्न 7 (मध्यम). कोई एक उदाहरण दो जिससे पता चले कि संस्कृति गतिशील है।
उत्तर – पुराने समय में शादी-ब्याह में केवल ढोल बजते थे, अब डीजे भी चलता है। यह दिखाता है कि संस्कृति में नए तत्व जुड़ रहे हैं।

प्रश्न 8 (कठिन). संस्कृति के तत्व कैसे जुड़ते, घटते और पुनर्व्यवस्थित होते हैं? एक उदाहरण से समझाओ।
उत्तर – जैसे-जैसे समाज में नई टेक्नोलॉजी आती है, हमारे संचार के तरीके बदलते हैं। पहले लोग चिट्ठी लिखते थे, फिर फोन आए और अब स्मार्टफोन पर WhatsApp या Instagram है। यह दिखाता है कि कैसे पुराने संचार के तरीकों के तत्व (जैसे चिट्ठी) घटे हैं, और नए (जैसे सोशल मीडिया) जुड़े और हमारी बातचीत को पुनर्व्यवस्थित किया है।

» विविध परिवेश और विभिन्न संस्कृतियों का विकास

प्रश्न 9 (आसान). जो लोग समुद्री किनारों पर रहते हैं, उनकी मुख्य भोजन सामग्री क्या होती है?
उत्तर – मछली और समुद्री उत्पाद।

प्रश्न 10 (आसान). शहरों में रहने वाले लोगों का मुख्य पेशा क्या होता है, अक्सर गाँव वालों से अलग?
उत्तर – नौकरियां (jobs) या व्यापार (business)।

प्रश्न 11 (मध्यम). अपने गाँव और किसी बड़े शहर की 'clothing habits' (कपड़े पहनने की आदतों) में दो मुख्य अंतर बताओ, और उनका कारण भी समझाओ।

उत्तर – गाँव में अक्सर 'traditional' और 'practical clothes' होते हैं जो खेती या मेहनत वाले काम के लिए सही हों (जैसे धोती-कुर्ता, साड़ी), जबकि शहरों में 'fashionable' और 'diverse clothes' होते हैं क्योंकि वहाँ 'exposure' ज़्यादा होता है और 'social rules' थोड़े ढीले होते हैं।

प्रश्न 12 (कठिन). 2004 में आए सुनामी के उदाहरण में, अंडमान के आदिम जनजातियों और मुख्य भूमि के लोगों की प्रतिक्रिया में क्या अंतर था और इससे क्या पता चलता है?

उत्तर – अंडमान की आदिम जनजातियों ने 'modern science' और 'technology' न होने पर भी अपने पारंपरिक ज्ञान (traditional knowledge) से आपदा का अनुमान लगा लिया और ऊँचाई पर जाकर खुद को बचाया। वहीं, मुख्य भूमि के 'modern lifestyle' वाले लोग ज़्यादा प्रभावित हुए। इससे पता चलता है कि 'modern culture' हमेशा 'primitive culture' से बेहतर नहीं होती, बल्कि 'nature' की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता ज़्यादा मायने रखती है।

» संस्कृति की औपचारिक परिभाषाएं

प्रश्न 13 (आसान). किस विद्वान ने संस्कृति को 'ज्ञान, आस्था, कला, नैतिकता' का 'जटिल समग्र' कहा?

उत्तर – एडवर्ड टायलर

प्रश्न 14 (आसान). किस विद्वान की परिभाषा में 'कलाकृतियाँ' और 'वस्तुएँ' शब्द का प्रयोग किया गया?

उत्तर – ब्रोनिसला मैलिनोवस्की

प्रश्न 15 (मध्यम). क्लिफोर्ड ग्रीट्श ने संस्कृति को किस रूप में देखा? एक वाक्य में समझाओ।

उत्तर – ग्रीट्श ने संस्कृति को 'अर्थों का एक जाल' माना, यानी मानवीय क्रियाओं और विचारों को जो 'अर्थ' हम देते हैं, वही संस्कृति है।

प्रश्न 16 (कठिन). टायलर और लेसली व्हाइट की परिभाषाओं में क्या समानता है और क्या भिन्नता?

उत्तर – समानता: दोनों संस्कृति को 'व्यापक' रूप में देखते हैं और इसे मानवीय व्यवहार और विचारों से जोड़ते हैं। भिन्नता: टायलर ने संस्कृति को कई तत्वों का 'जटिल समग्र' बताया, जबकि व्हाइट ने इस बात पर ज़ोर दिया कि संस्कृति 'वस्तुनिष्ठ वास्तविकताओं को अर्थ देने वाले साधन' के रूप में काम करती है–यानी 'अर्थ' देने की प्रक्रिया पर उनका अधिक ध्यान था।

» संस्कृति के तीन आयाम: संज्ञानात्मक, मानकीय और भौतिक

प्रश्न 17 (आसान). जब हम किसी का 'आदर' करने के लिए 'चरण छूते' हैं, तो यह संस्कृति का कौन सा आयाम है?

उत्तर – मानकीय आयाम

प्रश्न 18 (आसान). 'पुराने ज़माने के बर्तन' या 'औज़ार' किस आयाम में आते हैं?

उत्तर – भौतिक आयाम

प्रश्न 19 (मध्यम). मोबाइल फ़ोन की 'घंटी' सुनकर उसे 'पहचानना' किस आयाम से संबंधित है?

उत्तर – संज्ञानात्मक आयाम

प्रश्न 20 (कठिन). अगर कोई व्यक्ति किसी दूसरे के 'पत्र' को 'नहीं खोलता', तो यह संस्कृति के कौन से 'आयाम' का पालन कर रहा है? समझाइए।

उत्तर – यह 'मानकीय आयाम' का पालन है, क्योंकि यह 'आचरण' का एक 'नियम' है। यह बताता है कि 'निजी गोपनीयता' का 'सम्मान' करना चाहिए, जो एक 'सामाजिक मानदंड' है।

» संस्कृति और पहचान: उपसंस्कृति एवं नृजाति-केंद्रवाद

प्रश्न 21 (आसान). निम्नलिखित में से कौन 'उपसंस्कृति' का उदाहरण है: स्कूल के सभी छात्र / स्कूल में 'chess club' के सदस्य?

उत्तर – स्कूल में 'chess club' के सदस्य

प्रश्न 22 (आसान). अगर कोई व्यक्ति सिर्फ अपनी बोली को सबसे 'sweet' और दूसरी बोलियों को 'harsh' कहता है, तो यह 'Ethnocentrism' है या नहीं?

उत्तर – हाँ, यह 'Ethnocentrism' है।

प्रश्न 23 (मध्यम). तुम्हारे दोस्तों के समूह में कुछ ऐसी बातें बताओ जो उन्हें बाकी क्लास से अलग करती हैं, लेकिन फिर भी वे स्कूल का हिस्सा हैं। यह किस अवधारणा का उदाहरण है?

उत्तर – यह 'उपसंस्कृति' का उदाहरण है। जैसे उनके पसंदीदा गाने, खास शब्द जो वे बोलते हैं, या किसी खेल के प्रति उनका जुनून।

प्रश्न 24 (कठिन). यह कैसे संभव है कि एक व्यक्ति अपनी संस्कृति से प्यार करे लेकिन फिर भी 'नृजाति-केंद्रवाद' से बचे?

उत्तर – अपनी संस्कृति से प्यार करना स्वाभाविक है, लेकिन 'नृजाति-केंद्रवाद' से बचने के लिए हमें दूसरी संस्कृतियों के प्रति 'open-minded' रहना होगा, उन्हें समझना होगा और 'respect' करना होगा, यह नहीं सोचना कि हमारी संस्कृति ही एकमात्र 'right' या 'superior' है। हमें 'cultural relativism' का दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जहाँ हम हर संस्कृति को उसके अपने संदर्भ में समझते हैं।

» विश्व-नागरिकतावाद और सांस्कृतिक विनिमय

प्रश्न 25 (आसान). अगर आप किसी दूसरे राज्य के खाने को पसंद करते हैं, तो क्या यह 'सांस्कृतिक विनिमय' का उदाहरण है?

उत्तर – हाँ, बिल्कुल।

प्रश्न 26 (आसान). 'नृजाति-केंद्रवाद' और 'विश्व-नागरिकतावाद' में क्या अंतर है? (एक वाक्य में)

उत्तर – नृजाति-केंद्रवाद अपनी संस्कृति को श्रेष्ठ मानता है, जबकि विश्व-नागरिकतावाद सभी संस्कृतियों का सम्मान करता है।

प्रश्न 27 (मध्यम). आप 'विश्व-नागरिकतावाद' से क्या समझते हैं? अपने शब्दों में समझाइए।

उत्तर – विश्व-नागरिकतावाद का मतलब है कि हम सिर्फ अपनी संस्कृति को ही नहीं, बल्कि सभी संस्कृतियों को महत्व दें, उनकी खूबियों को समझें, और उनसे कुछ अच्छा सीखने को तैयार रहें।

प्रश्न 28 (कठिन). आज के डिजिटल युग में, 'सांस्कृतिक विनिमय' कैसे और तेज़ी से हो रहा है? दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर – आजकल 'इंटरनेट' और 'सोशल मीडिया' से लोग दुनिया भर की संस्कृतियों के बारे में तुरंत जान पाते हैं। जैसे, एक भारतीय 'यूट्यूबर' कोरियाई 'डांस फॉर्म' सीखकर वीडियो डाल सकता है, या विदेशी लोग 'बॉलीवुड गानों' पर रील्स बनाते हैं। ये सब 'डिजिटल विनिमय' के उदाहरण हैं।

» सांस्कृतिक परिवर्तन: कारण और प्रकार

प्रश्न 29 (आसान). भारत में 'टेलीविजन' के आने से लोगों के मनोरंजन के तरीके में क्या बदलाव आया? यह किस प्रकार का परिवर्तन है?

उत्तर – टेलीविजन के आने से लोग घर बैठे फिल्में और धारावाहिक देखने लगे, जो पहले संभव नहीं था। यह एक 'विकासात्मक परिवर्तन' है।

प्रश्न 30 (आसान). जब कोई 'नई तकनीक' आती है और लोग उसे अपनाते हैं, तो यह किस प्रकार के कारण से होने वाला सांस्कृतिक परिवर्तन है?

उत्तर – यह 'आंतरिक कारण' से होने वाला सांस्कृतिक परिवर्तन है।

प्रश्न 31 (मध्यम). 'इंटरनेट' ने लोगों के संवाद और सूचना प्राप्त करने के तरीके को कैसे बदला है? यह विकासात्मक है या क्रांतिकारी?

उत्तर – इंटरनेट ने संवाद और सूचना प्राप्त करने के तरीके को 'पूरी तरह से बदल' दिया है। यह शुरुआत में विकासात्मक लगा, लेकिन आज इसकी 'गति और प्रभाव' को देखते हुए इसे 'क्रांतिकारी परिवर्तन' कहना भी गलत नहीं होगा क्योंकि इसने समाज के 'कई आयामों' को 'मूल रूप' से बदल दिया है।

प्रश्न 32 (कठिन). 'वैश्वीकरण' (Globalization) ने भारतीय संस्कृति पर किस तरह के 'बाहरी' और 'आंतरिक' प्रभाव डाले हैं? उदाहरण देकर समझाओ।

उत्तर – वैश्वीकरण ने 'बाहरी' प्रभाव डाले हैं, जैसे 'पश्चिमी खानपान' (उदाहरण: फ़ास्ट फ़ूड) और 'पहनावा' (उदाहरण: जीन्स) का चलन बढ़ा है, जो 'अन्य संस्कृतियों से संपर्क' के कारण हुआ। वहीं, 'आंतरिक' प्रभाव में 'सूचना प्रौद्योगिकी' (Information Technology) का वकिास शामलि है, जसिने 'रोज़गार के नए अवसर' पैदा कएि और 'युवा पीढ़ी' की 'जीवनशैली' और 'सोच' को बदल दिया, क्योंकि यह 'समाज के अंदर से पनपी' एक नई व्यवस्था है।

» समाजीकरण का अर्थ और महत्व

प्रश्न 33 (आसान). समाजीकरण का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर – एक शिशु को समाज का क्रियाशील सदस्य बनाना।

प्रश्न 34 (आसान). बच्चे के समाजीकरण में सबसे पहली भूमिका किसकी होती है?

उत्तर – परिवार की।

प्रश्न 35 (मध्यम). क्या समाजीकरण एक बार की प्रक्रिया है या जीवन भर चलती रहती है?

उत्तर – समाजीकरण जीवन भर चलती रहती है क्योंकि हम हर उम्र में कुछ नया सीखते रहते हैं।

प्रश्न 36 (कठिन). समाजीकरण और संस्कृति में क्या संबंध है?

उत्तर – समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिससे हम अपनी संस्कृति के मूल्यों, नियमों और व्यवहारों को सीखते हैं और उन्हें अपनाते हैं।

» समाजीकरण: एक जीवनपर्यंत प्रक्रिया

प्रश्न 37 (आसान). प्रारंभिक समाजीकरण मुख्य रूप से जीवन के किस पड़ाव में होता है?

उत्तर – बचपन में (Childhood)

प्रश्न 38 (आसान). क्या समाजीकरण सिर्फ़ बचपन में ही रुक जाता है?

उत्तर – नहीं, यह जीवन भर चलता रहता है (No, it's a lifelong process)

प्रश्न 39 (मध्यम). स्कूल, दोस्तों का समूह और काम करने की जगह 'Socialization' के किस प्रकार में आते हैं - प्राथमिक या द्वितीयक?

उत्तर – द्वितीयक समाजीकरण (Secondary Socialization)

प्रश्न 40 (कठिन). यह कथन क्यों सही है: 'A newborn baby can also express his will' समाजीकरण के संदर्भ में इसका क्या अर्थ है?

उत्तर – यह सही है क्योंकि समाजीकरण एक तरफ़ा प्रक्रिया नहीं है। बच्चा भी अपनी ज़रूरतों (जैसे भूख लगने पर रोना) या पसंद-नापसंद ज़ाहिर करके अपने आस-पास के लोगों को प्रभावित करता है, जिससे समाजीकरण की प्रक्रिया में उसकी भी भागीदारी होती है।

» समाजीकरण के अभिकरण: परिवार

प्रश्न 41 (आसान). समाजीकरण का पहला अभिकरण कौन सा है?
उत्तर – परिवार

प्रश्न 42 (आसान). परिवार कैसे बच्चों को समाजीकरण में मदद करता है? (कोई एक उदाहरण दो)
उत्तर – बड़ों का सम्मान करना सिखाकर।

प्रश्न 43 (मध्यम). क्या परिवार की संरचना (जैसे 'nuclear' या 'extended') बच्चे के समाजीकरण को प्रभावित करती है? कैसे?
उत्तर – हाँ, करती है। 'Extended family' में बच्चे ज्यादा लोगों से interact करते हैं और ज्यादा तरह के रिश्ते निभाना सीखते हैं, जबकि 'nuclear family' में focus कम लोगों पर होता है।

प्रश्न 44 (कठिन). अगर किसी बच्चे को उसके परिवार से सही समाजीकरण न मिले तो समाज में उसे किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है?
उत्तर – उसे 'सामाजिक नियम' समझने में मुश्किल हो सकती है, दूसरों से तालमेल बिठाने में दिक्कत आ सकती है, और उसे 'socially awkward' या 'misunderstood' महसूस हो सकता है।

» समाजीकरण के अभिकरण: समकक्ष समूह

प्रश्न 45 (आसान). आपके स्कूल में आपकी क्लास के दोस्त किस समाजीकरण अभिकरण का उदाहरण हैं?
उत्तर – समकक्ष समूह

प्रश्न 46 (आसान). क्या समकक्ष समूह औपचारिक होते हैं या अनौपचारिक?
उत्तर – अनौपचारिक

प्रश्न 47 (मध्यम). परिवार और समकक्ष समूह के बीच समाजीकरण के तरीकों में एक मुख्य अंतर बताइए।
उत्तर – परिवार में अक्सर माता-पिता नियम तय करते हैं, जबकि समकक्ष समूह में बच्चे खुद 'व्यवहार के नियमों' को आपस में तय करते हैं और 'अंतःक्रियाओं' के ज़रिए सीखते हैं।

प्रश्न 48 (कठिन). कुछ संस्कृतियों में, 'समकक्ष समूह' औपचारिक रूप से एक ही आयु-श्रेणी के होते हैं। इसका क्या मतलब हो सकता है?
उत्तर – इसका मतलब है कि ऐसी संस्कृतियों में, बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से विशेष समूहों में रखा जाता है, जैसे किसी खास 'आयु-अनुष्ठान' के लिए या किसी पारंपरिक शिक्षा के लिए। ये समूह स्पष्ट रूप से परिभाषित होते हैं, जबकि हमारे सामान्य दोस्त अनौपचारिक होते हैं।

» समाजीकरण के अभिकरण: विद्यालय और जन-माध्यम

प्रश्न 49 (आसान). कौन सा 'अभिकरण' हमें 'औपचारिक शिक्षा' देता है?
उत्तर – विद्यालय

प्रश्न 50 (आसान). टीवी और इंटरनेट समाजीकरण के किस 'अभिकरण' में आते हैं?
उत्तर – जन-माध्यम

प्रश्न 51 (मध्यम). विद्यालय में 'अप्रत्यक्ष पाठ्यक्रम' के दो उदाहरण बताइए।
उत्तर – हार को स्वीकार करना, अपनी बारी का इंतज़ार करना, अनुशासन में रहना।

प्रश्न 52 (कठिन). जन-माध्यम कैसे 'लैंगिक रूढ़ियों' (gender stereotypes) को बढ़ावा दे सकते हैं?
उत्तर – टीवी विज्ञापनों में अक्सर महिलाओं को घर के कामों में और पुरुषों को बाहर के कामों में दिखाया जाता है, जिससे 'लैंगिक रूढ़ियाँ' मजबूत होती हैं।

» समाजीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता

प्रश्न 53 (आसान). क्या समाजीकरण हमारी स्वतंत्रता को 'छीन' लेता है?
उत्तर – नहीं, यह हमारी स्वतंत्रता को विकसित करता है।

प्रश्न 54 (आसान). व्यक्तिगत पहचान का विकास किस प्रक्रिया से होता है?
उत्तर – समाजीकरण की प्रक्रिया से।

प्रश्न 55 (मध्यम). यदि कोई व्यक्ति समाज के नियमों का पालन नहीं करना चाहता, तो यह उसके समाजीकरण से कैसे संबंधित है?
उत्तर – अगर कोई व्यक्ति नियमों का पालन नहीं करना चाहता, तो यह भी समाजीकरण के दौरान विकसित हुए उसके 'स्वतंत्र विचारों' या 'स्वयं की पहचान' का ही एक रूप हो सकता है, जहां वह नियमों को चुनौती देना सीखता है, न कि समाजीकरण की अनुपस्थिति का।

प्रश्न 56 (कठिन). समाजीकरण हमें 'अनुरूपता' (conformity) तक नहीं ला सकता - इस कथन का क्या अर्थ है और यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता से कैसे जुड़ा है?
उत्तर – इसका अर्थ है कि समाजीकरण हमें रोबोट जैसा नहीं बना सकता जो केवल सामाजिक नियमों का आँख मूँदकर पालन करे। समाजीकरण के दौरान ही हम 'आलोचनात्मक सोच' (critical thinking) और 'स्वयं की पहचान' विकसित करते हैं, जो हमें समाज के नियमों पर सवाल उठाने और अपनी राय बनाने की 'स्वतंत्रता' देती है, जिससे पूर्ण अनुरूपता कभी संभव नहीं होती।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मान लीजिए कि किसी नए स्कूल में एक नया छात्र आता है, और वह यह नहीं जानता कि दूसरों से कैसे बात करनी है या कैसे व्यवहार करना है। समाजशास्त्रीय दृष्टि से, उसे किस चीज़ की ज़रूरत है?

› सबसे पहले, उसे उस स्कूल की 'culture' को समझना होगा।
› उसे यह सीखना होगा कि वहाँ के छात्र और शिक्षक कैसे अभिवादन करते हैं, कैसे बातचीत करते हैं।
› उसे स्कूल के 'rules and norms' (नियम और मानदंड) समझने होंगे, जैसे 'uniform' पहनना, समय पर कक्षा में आना।
› धीरे-धीरे, वह इस 'culture' को सीख जाएगा और 'socially integrate' हो पाएगा।

उत्तर – उसे स्कूल की संस्कृति (culture) को सीखने और समझने की ज़रूरत है, जो उसे उस नए सामाजिक संदर्भ में सही ढंग से व्यवहार करने में मदद करेगी।

उदाहरण 2. भारतीय समाज में 'परिवार' की अवधारणा में पिछले 50 सालों में क्या बदलाव आए हैं? किन्हीं तीन बदलावों को स्पष्ट करें जो संस्कृति की गतिशीलता दिखाते हों।

› पहला बदलाव: 'संयुक्त परिवार' से 'एकल परिवार' की ओर बढ़ना। पहले बड़े परिवार होते थे, अब माता-पिता और बच्चे ही ज़्यादातर साथ रहते हैं। यह संस्कृति के 'घटने' और 'पुनःव्यवस्थित' होने का उदाहरण है।
› दूसरा बदलाव: विवाह की परंपराओं में बदलाव। पहले ज़्यादातर 'arranged marriages' होते थे, अब 'love marriages' भी आम हो रहे हैं, और 'court marriages' भी बढ़ रहे हैं। यह 'नए तत्वों के जुड़ने' का उदाहरण है।
› तीसरा बदलाव: महिलाओं की भूमिका में बदलाव। पहले महिलाएं ज़्यादातर घर संभालती थीं, अब वे 'घर और बाहर' दोनों की ज़िम्मेदारियां निभा रही हैं, जिससे परिवार के भीतर 'decision-making' में उनकी भागीदारी बढ़ी है। यह भी संस्कृति के 'विकसित' होने को दर्शाता है।

उत्तर – भारतीय समाज में परिवार की अवधारणा में संयुक्त से एकल परिवार, विवाह परंपराओं में बदलाव, और महिलाओं की भूमिका में वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक बदलाव आए हैं, जो संस्कृति की परिवर्तनशीलता और गतिशीलता को दर्शाते हैं।

उदाहरण 3. मान लीजिए एक समूह 'Group A' रेगिस्तानी इलाके में रहता है, और दूसरा समूह 'Group B' घने जंगलों वाले क्षेत्र में। ये दोनों समूह अपनी जीवनशैली में क्या-क्या अंतर दिखाएंगे, और क्यों?

› सबसे पहले, हम दोनों समूहों के 'natural environment' को देखेंगे। 'Group A' रेगिस्तान में है, जहाँ पानी की कमी, गर्मी और रेत मुख्य चुनौती है। 'Group B' जंगल में है, जहाँ पेड़-पौधे, जंगली जानवर और बारिश मुख्य चुनौती है।

› अब, 'Group A' की 'strategies' देखेंगे: पानी बचाने के लिए 'underground storage' या 'desert-friendly houses' (जैसे मिट्टी के घर), कम पानी में उगने वाली फसलें (बाजरा), 'light coloured' और 'loose clothes' जो गर्मी से बचाएं।

› फिर, 'Group B' की 'strategies' देखेंगे: जंगली जानवरों से बचाव के लिए ऊँचे पेड़ों पर घर या 'sturdy houses', जंगल से मिलने वाले फल-सब्जियों और शिकार पर निर्भरता, बारिश से बचने वाले कपड़े या 'rain gear'।

उत्तर – इस प्रकार 'Group A' की संस्कृति में 'water conservation', 'heat management' और 'desert-specific agriculture' दिखेगी, जबकि 'Group B' की संस्कृति में 'forest resources utilization', 'wildlife protection' और 'rainy season adaptation' पर जोर रहेगा। दोनों के 'environment' ने उनकी 'culture' को 'shape' किया।

उदाहरण 4. टायलर और मैलिनोवस्की की संस्कृति की परिभाषाओं में मुख्य अंतर क्या है?

› पहले 'एडवर्ड टायलर' की परिभाषा को समझेंगे। टायलर कहते हैं कि संस्कृति 'ज्ञान, आस्था, कला, नैतिकता, कानून, प्रथा तथा मनुष्य के समाज के सदस्य के रूप में होने के फलस्वरूप प्राप्त अन्य क्षमताएँ तथा आदतें' का एक 'जटिल समग्र' है। इसमें ज़्यादातर अमूर्त, गैर-भौतिक चीज़ें शामिल हैं।

› अब 'ब्रोनिसला मैलिनोवस्की' की परिभाषा को देखेंगे। मैलिनोवस्की कहते हैं 'संस्कृति में उत्तराधिकार में प्राप्त कलाकृतियाँ, वस्तुएँ, तकनीकी प्रक्रिया, विचार, आदतें तथा मूल्य शामिल हैं।' यहाँ उन्होंने 'कलाकृतियाँ' और 'वस्तुएँ' जैसे भौतिक पहलुओं को भी जोड़ा।

› मुख्य अंतर को पहचानेंगे: टायलर की परिभाषा ज़्यादा 'अभौतिक' (non-material) पहलुओं पर केंद्रित थी, जबकि मैलिनोवस्की ने 'भौतिक' (material) पहलुओं जैसे 'कलाकृतियाँ' और 'वस्तुओं' को भी अपनी परिभाषा में शामिल किया।

उत्तर – टायलर की परिभाषा संस्कृति के अभौतिक पहलुओं (ज्ञान, प्रथा, नैतिकता) पर अधिक जोर देती है, जबकि मैलिनोवस्की ने इसमें भौतिक वस्तुओं (कलाकृतियाँ, वस्तुएँ) को भी सम्मिलित किया।

उदाहरण 5. एक गांव में लोग 'जल देवता' की पूजा करते हैं। इस उदाहरण में संस्कृति के कौन से आयाम दिख रहे हैं?

› पहला आयाम - 'जल देवता' की 'पूजा' करना यह दिखाता है कि लोग 'पानी' को 'पवित्र' मानते हैं और उसके प्रति 'सम्मान' रखते हैं। यह उनकी 'मान्यता' है, उनकी 'समझ' है कि 'प्रकृति' को 'पूजना' चाहिए। तो यह 'संज्ञानात्मक आयाम' हुआ।

› दूसरा आयाम - 'पूजा' कैसे की जाती है, उसके क्या 'नियम' हैं, कौन से 'अनुष्ठान' किए जाते हैं - जैसे, 'सुबह उठकर जल चढ़ाना', 'मंत्र पढ़ना', ये सब 'व्यवहार' के 'नियम' हैं। तो यह 'मानकीय आयाम' हुआ।

› तीसरा आयाम - 'पूजा' में इस्तेमाल होने वाली 'वस्तुएँ' जैसे 'कलश', 'धूप', 'दीपक', 'फूल' - ये सब 'भौतिक' चीज़ें हैं। तो यह 'भौतिक आयाम' हुआ।

उत्तर – इस उदाहरण में संस्कृति के तीनों आयाम - 'संज्ञानात्मक' (जल देवता को पूज्य मानना), 'मानकीय' (पूजा के नियम और अनुष्ठान), और 'भौतिक' (पूजा की सामग्री) - दिख रहे हैं।

उदाहरण 6. तुम्हें अपने शहर में किसी 'subculture' का एक उदाहरण देना है और फिर बताना है कि अगर कोई उसके बारे में 'ethnocentric' सोच रखे तो वह कैसा होगा।

› सबसे पहले, अपने शहर में एक 'subculture' पहचानो। जैसे, 'K-Pop fans' का ग्रुप, 'bikers' का ग्रुप, या कोई 'traditional art form' सीखने वाले लोगों का ग्रुप। मान लो, हमने 'bikers' का ग्रुप चुना।

› अब बताओ कि 'bikers' की 'subculture' में क्या-क्या खास होता है? वे 'specific brands' की 'bikes' पसंद करते हैं, उनके कपड़े 'leather jackets' और 'helmets' वाले होते हैं, वे अक्सर 'long rides' पर जाते हैं, और उनके बीच एक 'sense of brotherhood' होती है।

› अब सोचो कि इस 'subculture' को लेकर 'ethnocentric' सोच क्या होगी। जैसे, अगर कोई कहे कि 'ये बाइकर्स तो बस शोर मचाते हैं, इनकी तो कोई 'real job' नहीं होती, और इनकी 'passion' बेकार है' – तो यह एक 'ethnocentric' नज़रिया है। क्योंकि यह व्यक्ति अपने 'values' के हिसाब से उन्हें जज कर रहा है, बिना उनकी 'values' और 'lifestyle' को समझे।

› सही तरीका क्या होगा? उनकी 'subculture' को समझना, उनकी 'passion' को 'respect' करना, और यह देखना कि कैसे वे अपनी 'community' में 'belongingness' और 'purpose' ढूंढते हैं।

उत्तर – उदाहरण के तौर पर, 'bikers' की 'subculture' में 'motorcycle riding', 'specific gear', और 'group rides' शामिल हैं। उनके प्रति 'ethnocentric' सोच यह हो सकती है कि 'ये लोग बस पैसे बर्बाद करते हैं और अपनी जान जोखिम में डालते हैं', जो उनकी जीवनशैली के आंतरिक मूल्यों को अनदेखा करती है।

उदाहरण 7. भारतीय समाज में 'विश्व-नागरिकतावाद' और 'सांस्कृतिक विनिमय' के दो उदाहरण दीजिए।

› पहला उदाहरण हम 'भोजन' से ले सकते हैं। सोचिए, भारत में अलग-अलग राज्यों के पकवान जैसे डोसा, छोले-भटूरे, राजमा-चावल कितने लोकप्रिय हैं! लेकिन अब हमने 'चाइनीज़' और 'इटैलियन' खाने को भी अपना लिया है। हमने उन्हें अपने स्वाद के अनुसार बदल लिया है, जैसे 'चाइनीज़ भेल' या 'तंदूरी पिज़्ज़ा'। ये दिखाता है कि हमने 'विदेशी संस्कृति' के 'भोजन' को अपनाया और उसे 'भारतीय तड़का' देकर 'विनिमय' किया।

› दूसरा उदाहरण हम 'त्योहारों' और 'पहनावे' से ले सकते हैं। पहले हमारे यहाँ सिर्फ 'पारंपरिक कपड़े' ही पहने जाते थे, पर अब 'जीन्स' और 'टी-शर्ट' भी उतने ही आम हैं। वहीं, 'होली' और 'दीवाली' जैसे हमारे त्योहारों को विदेशों में भी अब लोग जानने लगे हैं और कई जगह इसे मनाते भी हैं। यह 'संस्कृति के आदान-प्रदान' का एक बेहतरीन उदाहरण है।

उत्तर – भोजन में विदेशी व्यंजनों को भारतीय स्वाद के अनुसार अपनाना (जैसे चाइनीज़ भेल) और पहनावे तथा त्योहारों में वैश्विक शैलियों को अपनाना एवं भारतीय त्योहारों का विश्व स्तर पर मनाया जाना।

उदाहरण 8. भारतीय समाज में 'सती प्रथा' का उन्मूलन किस प्रकार का सांस्कृतिक परिवर्तन था और इसका मुख्य कारण क्या था?

› पहचानो कि सती प्रथा क्या थी और उसका उन्मूलन (खत्म होना) किस तरह का बदलाव था। यह एक बहुत बड़ा, अचानक और मूलभूत बदलाव था, जिसने एक पुरानी, गहरी मान्यता को खत्म कर दिया।

› निर्धारित करो कि क्या यह बदलाव धीरे-धीरे हुआ या तेज़ी से। सती प्रथा को खत्म करने के लिए कानून बनाए गए और समाज में बड़ा आंदोलन हुआ, यह एक तीव्र परिवर्तन था।

› कारण पहचानो। यह बदलाव समाज सुधारकों के आंदोलन, ब्रिटिश सरकार के कानून और पश्चिमी विचारों के प्रभाव के कारण हुआ।

› निष्कर्ष पर पहुंचो कि यह 'क्रांतिकारी परिवर्तन' था क्योंकि इसने समाज के एक 'fundamental value' यानी मूलभूत मूल्य और 'practice' यानी प्रथा को बदल दिया, और इसमें बाहरी (कानून) और आंतरिक (समाज सुधार) दोनों तरह के कारण शामिल थे।

उत्तर – सती प्रथा का उन्मूलन एक 'क्रांतिकारी सांस्कृतिक परिवर्तन' था, जिसका मुख्य कारण 'समाज सुधारकों का आंदोलन' और 'कानूनी हस्तक्षेप' था।

उदाहरण 9. अगर एक बच्चा जंगल में भेड़ियों के साथ बड़ा हो, तो क्या वह इंसान की तरह व्यवहार कर पाएगा? उदाहरण देकर समझाओ।

› पहला कदम: ऐसे बच्चे को 'फेरल चाइल्ड' (feral child) कहते हैं, क्योंकि उसे इंसानी समाज का 'सामाजिकरण' नहीं मिला होता।

› दूसरा कदम: वह 'मानवीय भाषा' नहीं सीख पाएगा, क्योंकि उसे बोलने वाला कोई नहीं मिला। वह 'इंसानी हाव-भाव' और 'रीति-रिवाज' भी नहीं सीखेगा।

› तीसरा कदम: उसका व्यवहार भेड़ियों जैसा होगा - यानी वह 'कच्चा खाना' खाएगा, 'चारों पैरों पर चलेगा', और 'भेड़ियों की तरह आवाज़ें' निकालेगा।

› चौथा कदम: इससे पता चलता है कि समाज में रहकर ही हम 'इंसानियत' सीखते हैं। 'Socialization' के बिना हम सिर्फ एक जीव बनकर रह जाते हैं।

उत्तर – नहीं, वह बच्चा इंसानों की तरह व्यवहार नहीं कर पाएगा क्योंकि उसका 'समाजीकरण' नहीं हुआ होगा, और वह इंसानी तौर-तरीके सीखने से वंचित रह जाएगा।

उदाहरण 10. एक बच्चा जो अपने गाँव में पला-बढ़ा है, जब वह शहर के एक बड़े स्कूल में जाता है, तो उसे किन 'Socialization' प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है?

› सबसे पहले, जब वह छोटा था और गाँव में परिवार के साथ रहता था, तो उसका 'primary socialization' हुआ होगा। उसने परिवार से अपनी मातृभाषा, खाने के तौर-तरीके और बड़ों का सम्मान करना सीखा होगा।

› अब जब वह शहर के स्कूल में आया है, तो उसका 'secondary socialization' शुरू होगा। उसे स्कूल के नियम (जैसे यूनिफॉर्म पहनना, टाइम पर क्लास में आना), नए दोस्त बनाना, शहर के बच्चों की भाषा और खेलकूद के नए तरीके सीखने होंगे।

› उसे यह भी सीखना होगा कि शहर में 'public places' पर कैसे व्यवहार करना है, जैसे बाज़ार या बस में। उसके 'peer group' (साथी समूह) और 'teachers' भी इस 'secondary socialization' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उत्तर – गाँव से शहर के स्कूल में आकर बच्चा 'secondary socialization' की प्रक्रिया से गुज़रता है, जहाँ वह नए 'norms', 'values' और 'behaviors' सीखता है जो शहरी माहौल और स्कूल के लिए ज़रूरी हैं।

उदाहरण 11. सोचो, आपका परिवार आपको कौन सी सबसे महत्वपूर्ण 'तीन बातें' सिखाता है जो आपको समाज में एक अच्छा इंसान बनाती हैं?

› सबसे पहले अपने परिवार की 'संरचना' (structure) के बारे में सोचो: क्या यह एक बड़ा परिवार है या छोटा?

› फिर उन 'आदतों' और 'मूल्यों' के बारे में सोचो जो आपके घर में बहुत आम हैं, जैसे बड़ों का आदर करना, सच बोलना, या सबकी मदद करना.

› अंत में, ये देखो कि ये बातें आपको समाज में दूसरों के साथ कैसे 'मेलजोल' करने में मदद करती हैं.

उत्तर – मेरे परिवार ने मुझे 'ईमानदारी' (honesty), 'दूसरों के प्रति सम्मान' (respect for others) और 'मेहनत' (hard work) सिखाई है, जो मुझे एक जिम्मेदार नागरिक बनाती हैं।

उदाहरण 12. गीता ने नई स्कूल में एडमिशन लिया। पहले वह थोड़ी शांत रहती थी। कुछ ही हफ्तों में वह अपनी क्लास के बच्चों के साथ खुलकर बातें करने लगी और उनकी कहानियों में हिस्सा लेने लगी। समाजीकरण के किस अभिकरण ने गीता के व्यवहार में यह बदलाव लाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई?

› पहला चरण: प्रश्न को ध्यान से पढ़ें और पहचानें कि गीता कहाँ बदलाव दिखा रही है - वह अपनी क्लास के बच्चों के साथ घुल-मिल रही है।

› दूसरा चरण: याद करें कि 'समकक्ष समूह' क्या होता है - समान आयु के बच्चों का समूह।

› तीसरा चरण: सोचें कि गीता की क्लास के बच्चे उसके लिए क्या हैं - वे उसके 'समकक्ष समूह' हैं।

› चौथा चरण: यह निष्कर्ष निकालें कि यह 'समकक्ष समूह' ही है जिसने गीता को नए सामाजिक व्यवहार सिखाए, जैसे खुलकर बात करना और बातचीत में भाग लेना।

उत्तर – समाजीकरण के 'समकक्ष समूह' अभिकरण ने गीता के व्यवहार में यह बदलाव लाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उदाहरण 13. एक छात्र स्कूल में 'नियमों का पालन करना' और 'दूसरों की मदद करना' सीखता है, भले ही यह उसकी किसी किताब का हिस्सा न हो। यह समाजीकरण के किस 'अभिकरण' और किस 'पाठ्यक्रम' का उदाहरण है?

› पहला कदम: पहचानो कि 'स्कूल' एक 'समाजीकरण का अभिकरण' है।

› दूसरा कदम: यह 'नियमों का पालन' और 'मदद करना' जैसी बातें सीधे 'किताबों में नहीं पढ़ाई जातीं', बल्कि ये छात्र अपने 'अनुभवों' से सीखते हैं।

› तीसरा कदम: जब कोई चीज़ सीधे पढ़ाई न जाए, बल्कि परोक्ष रूप से सीखी जाए, तो उसे 'अप्रत्यक्ष पाठ्यक्रम' या 'hidden curriculum' कहते हैं।

› चौथा कदम: तो यह स्कूल के 'अप्रत्यक्ष पाठ्यक्रम' का उदाहरण है।

उत्तर – यह समाजीकरण के 'विद्यालय' अभिकरण के 'अप्रत्यक्ष पाठ्यक्रम' का उदाहरण है।

उदाहरण 14. एक बच्चा, रमेश, अपने माता-पिता से बहस करता है कि उसे संगीत सीखना है, जबकि वे चाहते हैं कि वह डॉक्टर बने। समाजीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संबंध में आप इस स्थिति को कैसे समझाएंगे?

› पहला चरण: माता-पिता का डॉक्टर बनने पर जोर देना रमेश के 'समाजीकरण' का हिस्सा है, जहां परिवार अपनी आकांक्षाएं और समाज की 'सम्मानित पेशा' की सोच बच्चे पर डाल रहा है।

› दूसरा चरण: रमेश का संगीत सीखने की ज़िद करना उसकी 'व्यक्तिगत स्वतंत्रता' और 'स्वयं की पहचान' की भावना को दर्शाता है, जो समाजीकरण के दौरान ही विकसित हुई है - उसने कहीं से संगीत के बारे में सीखा है और उसे यह पसंद आया है।

› तीसरा चरण: यहाँ समाजीकरण रमेश की आज़ादी को पूरी तरह खत्म नहीं कर रहा, बल्कि उसे अपने विचारों को व्यक्त करने का आधार दे रहा है। वह परिवार के विचारों को चुनौती देने की 'क्षमता' समाजीकरण से ही सीखता है कि समाज में लोग अपनी बात रखते हैं।

› चौथा चरण: यह स्थिति 'संघर्ष' दिखाती है, पर साथ ही यह भी कि समाजीकरण के बावजूद व्यक्ति अपने रास्ते चुन सकता है। रमेश शायद अपने माता-पिता को मनाकर संगीत भी सीखेगा, या डॉक्टर बनकर भी संगीत का शौक पूरा करेगा - यह सब उसकी विकसित हुई 'व्यक्तिगत स्वतंत्रता' का ही परिणाम होगा।

उत्तर – यह स्थिति दर्शाती है कि समाजीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता एक दूसरे के विरोधी नहीं हैं, बल्कि समाजीकरण ही व्यक्ति को स्वतंत्र रूप से सोचने और अपनी पहचान बनाने के लिए आवश्यक मूल्य और क्षमताएं प्रदान करता है, भले ही कभी-कभी दोनों में 'संघर्ष' दिखें।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह 'संस्कृति की परिभाषा' अक्सर बोर्ड परीक्षा में सीधे-सीधे पूछी जाती है, तो इसे ध्यान से समझ लेना और अपने शब्दों में लिखने का अभ्यास करना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत ज़रूरी है। जब भी 'संस्कृति की विशेषताएं' पूछी जाएं, तो 'परिवर्तनशीलता और गतिशीलता' को उदाहरणों के साथ ज़रूर लिखना, इससे पूरे नंबर मिलेंगे।

• इन परिभाषाओं को याद रखना और हर एक के मुख्य बिंदु को समझना 'दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों' (long answer questions) के लिए बहुत ज़रूरी है।

• यह 'टॉपिक' 'बोर्ड परीक्षा' के लिए बहुत 'महत्वपूर्ण' है। 'अक्सर' इन 'आयामों' को 'उदाहरणों' के साथ 'समझाने' के लिए 'सवाल' आते हैं। तीनों 'आयामों' को 'अच्छे से' समझ कर जाना।

• यह अवधारणा 'सांस्कृतिक विभिन्नता' से जुड़े सवालों में बहुत काम आती है। इसे 'नृजाति-केंद्रवाद' से 'अलग' करके अच्छे से समझना, क्योंकि अक्सर इन दोनों के बीच के 'अंतर' पर सवाल बनते हैं।

• सांस्कृतिक परिवर्तन के 'कारण' और 'प्रकार' पर 'सीधे प्रश्न' आते हैं, इसलिए 'उदाहरणों' के साथ इन्हें अच्छे से समझ लेना। 'आंतरिक-बाहरी' और 'विकासात्मक-क्रांतिकारी' में अंतर स्पष्ट करना बहुत ज़रूरी है।

• यह टॉपिक 'बोर्ड एग्जाम्स' के लिए बहुत ज़रूरी है। 'समाजीकरण की परिभाषा' और इसके 'महत्व' को अच्छे से याद कर लेना, क्योंकि इस पर अक्सर 'सीधा सवाल' आता है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर पूछा जाता है कि 'समाजीकरण में परिवार की भूमिका' क्या है। इसे उदाहरणों के साथ अच्छे से तैयार कर लेना।

• परिवार और समकक्ष समूह के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से समझें और उनके समाजीकरण के तरीकों को उदाहरण के साथ लिखने का अभ्यास करें। यह अंतर परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है।

• इस टॉपिक से 'Hidden curriculum' पर आधारित प्रश्न अक्सर आते हैं। इसे अच्छे से समझना और इसके उदाहरण तैयार रखना। 'जन-माध्यमों के प्रभावों' पर भी ध्यान देना।

• इस टॉपिक पर अक्सर 'समाजीकरण और स्वतंत्रता के बीच संबंध' या 'व्यक्तिगत पहचान के निर्माण में समाजीकरण की भूमिका' पर प्रश्न आते हैं। किताब में जो उदाहरण दिया गया है, उसे अपनी भाषा में ज़रूर समझाना।

एक नज़र में रिवीज़न

› संस्कृति: समाज का जीवन जीने का व्यापक तरीका, पहचान व व्यवहार का आधार।
› संस्कृति स्थिर नहीं, लगातार परिवर्तनशील व गतिशील है।
› टायलर (ज्ञान, प्रथा), मैलिनोवस्की (वस्तुएँ), ग्रीट्श (अर्थों का जाल), व्हाइट (अर्थ देने के साधन)।
› संस्कृति के 3 आयाम: संज्ञानात्मक (ज्ञान), मानकीय (नियम), भौतिक (वस्तुएँ)।
› विश्व-नागरिकतावाद = अन्य संस्कृतियों का सम्मान, आदान-प्रदान; नृजाति-केंद्रवाद का विपरीत।
› संस्कृति में बदलाव: आंतरिक/बाहरी कारण; विकासात्मक/क्रांतिकारी प्रकार।
› समाजीकरण: शिशु का संस्कृति सीखकर समाज का सदस्य बनना।
› परिवार: समाजीकरण का प्रथम, सबसे महत्वपूर्ण अभिकरण; बुनियादी मूल्य और सामाजिक स्थिति निर्धारित करता है।
› समकक्ष समूह = समान आयु के दोस्तों का अनौपचारिक समाजीकरण अभिकरण।
› विद्यालय: औपचारिक/अप्रत्यक्ष पाठ्यक्रम। जन-माध्यम: विचारों व व्यवहार को प्रभावित करते हैं।
› समाजीकरण व्यक्तिगत स्वतंत्रता का आधार, पहचान और स्वतंत्र विचार गढ़ता है, छीनता नहीं।